

माउंट आबू। भारतीय संस्कृति व सभ्यता का आज भी पूरी दुनिया लोहा मानती है यह बात मॉरिशियस उच्चायुक्त मुकेश्वर चुन्नी ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञान सरोवर परिसर में राजनीति सेवा प्रभाग की ओर से आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन में देश भर से आए राजनीतिज्ञों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कहा है कि राजनेताओं के जीवन में त्याग की भावना जरूरी है। त्याग भावना से ही सेवा को फलीभूत किया जा सकता है। मॉरिशियस में ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा संचालित किए जा रहे राजयोग सेवाकेंद्र में संस्कारों को श्रेष्ठ बनाने के लिए दी जा रही राजयोग की शिक्षा के सकारात्मक परिणाम के चलते जनता में सेवा करने की भावनाओं को बल मिल रहा है। जिससे लोगों में आपसी सदभाव की मानसिकता बढ़ती जा रही है।

संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी जी ने कहा कि वर्तमान में स्वयं के भाग्य को बनाने का सुनहरा अवसर है। यदि इस स्वर्णिम वेला को व्यर्थ चिंतन में ही गंवा दिया तो जीवन में अशांति, उदासी अपने पैर पसारने लग जाती है जिससे वातावरण भी दूषित होने लगता है। प्रेम व सच्चाई की राह पर चलने वाला नेता ही देश सेवा कर सकता है। लोक कल्याण के लिए राजनीतिज्ञ सभी मतभेदों को भुलाकर एक मत हो जाएं तो भारत को सोने की चिड़िया बनाया जा सकेगा।

मध्यप्रदेश राज्य सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग अध्यक्ष बाबूलाल जैन ने कहा है कि राजनीतिक ढांचे को सकारात्मक दिशा प्रदान करने के लिए भौतिक सुख साधनों को छोड़ ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से पढ़ाई जा रही आध्यात्मिक शिक्षा व देशप्रेम की भावना को बल देना होगा।

बिहार राज्यसभा सदस्य आर.एन.प्रसाद ने कहा कि सत्यवादी प्रवृत्ति के माध्यम से ही परस्पर शांति और प्रेम के बीज अंकुरित होते हैं। जब हर व्यक्ति की आंतरिक स्थिति मूल्यों की धारणा से स्वर्णिम हो जाएगी तभी स्वर्णिम युग आएगा। भेदभाव व स्वार्थ भावना रहित राजनेता ही समाज सेवा के बदलते मायनों को सही दिशा दे सकता है।

राजनीतिक सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी के बृजमोहन आनंद ने कहा कि धन द्वारा भौतिक सुख साधन तो खरीदे जा सकते हैं लेकिन मन की शांति प्राप्त नहीं कर सकते। आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा हर परिस्थिति में चाहे लाभ-हानि हो, चाहे जय-पराजय हो, सदा खुशी व शांति में रहने की कला सीख सकते हैं।

सम्मेलन को उतरप्रदेश राज्यसभा सदस्य, पूर्व केबिनेट मंत्री जगदीश राणा, विधानसभा पूर्व अध्यक्ष अरूण गुजराती, मैसूर से आई वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका लक्ष्मी बहन, बी के शीलू बहन आदि ने भी राजनीति में श्रेष्ठ विचारों की महता पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।